IACC

Apex Bilateral Chamber for Indo-US business

INDO-AMERICAN CHAMBER OF COMMERCE

Conference on

Women Empowerment

"Celebrating Womanhood:

Empower, Educate, Elevate"

Wednesday, 5th March 2025

MEDIA REPORT

Let us come together to honor the strength, achievements, & potential of women, fostering a world where equality thrives, opportunities abound, & voices are uplifted

KEY MEDIA ATTENDED THE EVENT

32+ media publications attended the Indo American chamber event which include seven PTI, ANI, Economic Times, Amar Ujala, etc.

MEDIA COVERAGES

SNAPSHOTS

आज तक

आज तक
HD
13:15
Women Empowerment
91
ICC ने महिलाओं को किया सम्ममानित

Press Trust of India
@PTI_News

8:56 PM · Mar 5, 2025 · **2,812** Views

https://x.com/PTI_News/status/1897307622669476102?t=Yhm76ukUwe_id_mejwi66A&s=08

India99 TV
70.1K subscribers

Smriti Irani attends IACC Women Empowerment Conference - Celebrates Womanhood

India99 TV
70.1K subscribers
Subscribe
0
Share

https://youtu.be/Pmrp5HZj63o?si=1_zj3iUnHk-pCIkU

SEVEN STAR
रोख ठोक... निर्भिड मत

दिल्ली समाचार
निडर और निष्पक्ष

डॉ. माधवी लता से आज महिला सम्मान दिवस पर दिल्ली समाचार टीवी के वरिष्ठ पत्रकार प्रिंस जायसवाल ने डॉक्टर माधवी लता से खास बातचीत की है। प्रधानमंत्री म्यूजियम में आई आपको सुनाते हैं।

Translate post

https://x.com/journalistprin3/status/1897544351271510318?s=46

दिल्ली समाचार
निडर और निष्पक्ष

दिल्ली में "महिला दिवस, सशक्तिकरण, शिक्षा सम्मलेन का किया गया आयोजन
#delhisamachartv

https://youtu.be/2MHh_i4R5CQ?si=q0narEsvu7e8uv2u

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पहले महिला सशक्ति करण को लेकर आईएसीसी ने किया कार्यक्रम का आयोजन किया

Ntv News Digital
2.75K subscribers
Subscribe
4
Share

https://www.youtube.com/watch?v=rhMwS7Y5zrs

National|Womens|day|:-से पहले IACC ने देखिए कैसे किया सम्मानित/पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी.??

@TheNewsExpress
2.59K subscribers
Subscribe
1
Share

https://youtu.be/zqhPNt0vdro

https://youtu.be/HN9iEAlNusc?si=TQAPWL73oF_a19aT

https://youtu.be/4d1OoDUCKFc?si=FAsSvh8Osy4bjRAd

https://youtu.be/2_WsMGj3LEo?si=xs0OlmoSBYW6sT4V

RAFTAAR MEDIA
BIHAR | JHARKHAND

https://youtu.be/kPxVSsAgzOU

महिला सशक्तिकरण का कार्यक्रम का आयोजन
DAILY 24 भारत
BREAKING NEWS
बड़ी खबरें
CM धामी ने किया स्वागत
बिहार: औरंगजेब अच्छा राजा था, उसने मंदिर नहीं तोड़े-
06-03-2025

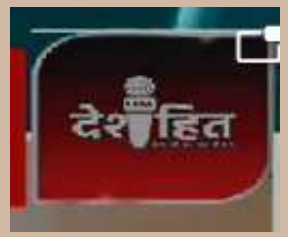
देश हित

आईएसीसी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर
देश हित
दिल्ली
IACC
INDO-AMERICAN
CHAMBER OF COMMERCE
Women Empowerment
दिल्ली
BREAKING NEWS
दिल्ली में आज हल्की बारिश की संभावना, येलो अलर्ट जारी

the pioneer
Thursday, 06 March 2025

IACC hosts conference on women empowerment

PIONEER NEWS SERVICE ■
NEW DELHI

Pioneer Photo

The Indo-American Chamber of Commerce (IACC) successfully hosted a thought-provoking conference on Women Empowerment in New Delhi under the theme "Celebrating Womanhood: Empower, Educate, Elevate." The event brought together distinguished leaders and advocates, emphasising the necessity of empowering women to drive societal progress.

While speaking at the conference Mridula Pradhan, Chairperson of Vikas Foundation Trust, emphasised the dignity and respect of women, quoting a Sanskrit shloka: "Where women are respected, divine blessings follow." She advocated for true gender equality, urging that the slogan 'Beti-Beta Ek Saman' must be implemented in all spheres of life. Pradhan also stressed the importance of protecting women's rights, particularly reproductive rights.

Former Union Minister Smriti Irani addressed the gathering, highlighting the strength of Indian women in overcoming challenges, particularly during the pandemic. She noted that the Narendra Modi government has taken significant steps toward financial inclusion for women by providing bank accounts and loans, which women have successfully leveraged, leading to low non-performing assets. However, she pointed out that "the digital world remains biased against women, and addressing this challenge is crucial."

Dr Mallika Nadda, Chairperson of Special Olympics Bharat, reaffirmed that "Women's rights are non-negotiable, and their dignity must be protected at all costs." She emphasised the additional challenges faced by physically challenged women and called for prioritising their inclusion and support. Dr Upasana Arora, Conference Chair, Executive Council Member of IACC, and Managing Director of Yashoda Super Specialty Hospitals, underscored the pivotal role of women in societal transformation. She stated, "Empowerment of women is essential for social upliftment. Women who are empowered must extend support to those who are not, creating opportunities for excellence. When women are empowered, society as a whole is empowered."

Dr Atul Chauhan, Regional President of IACC and Chancellor of Amity University, in his inaugural address, called upon all attendees to actively participate in the mission of women's empowerment, echoing the sentiment that "Women have to be empowered to dream."

Dr Lalit Bhasin, Past National President of IACC, provided a compelling perspective, asserting that Indian women have always been powerful. "When we say empower women,' we imply that someone else has to do it. However, Indian women have historically shaped societies with their resilience and determination," he remarked.

The conference culminated in an awards ceremony celebrating exceptional women leaders who have made remarkable contributions across various sectors.

The 'Women Leader of the Year' award was bagged by Dr Amit Chauhan, chairperson, Amity Group of Schools, while the 'Excellence in Educational Leadership' award was given to Charu Modi, director, Godfrey Phillips India Limited.

The 'Leadership in Gender Equality and Advocacy' award was given to Nina Gupta, managing partner, Bhasin and Co Advocates.

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 6 मार्च, 2025

महिलाओं के अधिकारों की रक्षा जरूरी : मृदुला प्रधान

नई दिल्ली। समाज में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सम्मान सम्मान जरूरी है। इसके लिए बेटी बेटा एक समान का नारा सभी क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। यह बात मृदुला प्रधान ने बुधवार को राजधानी में भारत-अमेरिकी वाणिज्यिक चैंबर द्वारा महिला दिवस, सशक्तिकरण, शिक्षा, उन्नयन विषय पर आयोजित सम्मेलन में कही। इस अवसर पर मृदुला प्रधान ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भारतीय महिलाओं की ताकत पर प्रकाश डाला। पैरालंपिक्स भारत की अध्यक्ष, डॉ. मल्लिका नड्डा ने महिलाओं के गरिमा की रक्षा की वकालत की। इस अवसर पर डॉ. उपासना अरोड़ा, डॉ. ललित भसीन, डॉ अमित चौहान मौजूद थे। वहीं इस अवसर पर चारू मोदी, नीना गुप्ता, श्वेता सेठ, गुनीता पाहवा, रितु सरीन, अनीता चौहान, आशा गुप्ता, हुमैरा मुश्ताक को सम्मानित किया गया।

जागरण

आज की डिजिटल दुनिया महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रह से भरी : स्मृति

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली : पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कहा कि आज की डिजिटल दुनिया महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रह से भरी हुई है। इस चुनौती का सामना करना बहुत जरूरी है। वह बृहस्पतिवार को चाणक्यपुरी स्थित होटल लीला पैलेस में आयोजित इंडो-अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स सम्मेलन में बोल रहीं थीं।

सम्मेलन में स्मृति इरानी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके तहत महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, उन्हें लोन दिए गए। स्पेशल ओलिंपिक भारत की चेयरपर्सन डा. मल्लिका नड्डा ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। उनकी गरिमा की हर कीमत पर रक्षा की जानी चाहिए। सम्मेलन में विकास फाउंडेशन ट्रस्ट की अध्यक्ष मृदुला प्रधान ने कहा कि

सम्मेलन में वासु मोदी को सम्मानित करतीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी, स्पेशल ओलिंपिक भारत की चेयरपर्सन डा. मल्लिका नड्डा (मध्य में) • सौ. आयोजक

जहां महिलाओं का सम्मान किया जाता है, वहां हमेशा भगवान का आशीर्वाद रहता है। 'बेटी-बेटा एक समान' के नारे को सभी को अपने जीवन में लागू करना चाहिए। यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल्स की प्रबंध निदेशक डा. उपासना अरोड़ा ने कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए महिलाओं का सशक्तीकरण आवश्यक है। सम्मेलन में महिला सशक्तीकरण की दिशा में काम करने वाली महिलाओं को 'वीमेन एक्सीलेंस अवार्ड्स' से सम्मानित किया गया।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959

महिलाओं के अधिकारों की रक्षा अत्यंत आवश्यक : मृदुला प्रधान

नई दिल्ली, 5 मार्च (देशबन्धु)। भारत-अमेरिकी वाणिज्यिक चैंबर आईएसीसी द्वारा नई दिल्ली में महिला दिवस मनाना सशक्तिकरण, शिक्षा, उत्थान विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नेता और अधिवक्ता एकत्र हुए, जिन्होंने समाज में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। महिलाओं के सम्मान और गरिमा पर जोर देते हुए, विकास फाउंडेशन ट्रस्ट की अध्यक्ष मृदुला प्रधान ने एक संस्कृत श्लोक का उद्धरण दिया यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता उन्होंने वास्तविक समानता की वकालत की, और जोर देकर कहा कि बेटी बेटा एक समान का नारा जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। प्रधान ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के महत्व पर भी जोर दिया, विशेष रूप से प्रजनन अधिकारों पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने समारोह में महामारी के दौरान विशेष रूप से चुनौतियों का सामना करने में भारतीय महिलाओं की ताकत पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि मोदी सरकार ने महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि आज की डिजिटल दुनिया महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रह से भरी हुई है, और इस चुनौती का सामना करना अत्यंत आवश्यक है। स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष, डॉ मल्लिका नड्डा ने पुनः दोहराया कि महिलाओं के अधिकार अनिवार्य हैं, और उनकी गरिमा की रक्षा हर हाल में की जानी चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने समारोह में की शिरकत

विराट वैभव

महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर दिया जोर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भारत-अमेरिकी वाणिज्यिक चैंबर (आईएसीसी) द्वारा महिला दिवस मनाना: सशक्तिकरण, शिक्षा, उन्नयन विषय पर सम्मलेन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नेता और अधिवक्ता एकत्र हुए, जिन्होंने समाज में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। महिलाओं के सम्मान और गरिमा पर जोर देते हुए, विकास फाउंडेशन ट्रस्ट की अध्यक्ष मृदुला प्रधान ने वास्तविक समानता की वकालत की, और जोर देकर कहा कि बेटी बेटा एक समान का नारा जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। प्रधान ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने समारोह में महामारी के दौरान विशेष रूप से चुनौतियों का सामना करने में भारतीय महिलाओं की ताकत पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि मोदी सरकार ने महिलाओं के लिए वित्तीय समावेश की दिशा में

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित
वीर अर्जुन

लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता जरूरी : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, (वीअ)। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने की तत्काल जरूरत पर बुधवार को बल दिया। महिला सशक्तिकरण पर इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ईरानी ने एआई (कृत्रिम मेधा) प्रणालियों में अंतर्निहित प्रणालीगत पूर्वाग्रहों पर प्रकाश डाला और इन असमानताओं को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे महिला सशक्तिकरण की आधारशिला के रूप में डिजिटल समानता को प्राथमिकता दें। ईरानी ने कहा, एआई के युग में, यह पुरुष का महिला से मुकाबला या महिला का पुरुष से मुकाबला नहीं है। यह मानवता का मुकाबला है कि एआई हमारे साथ क्या करेगा।

उन्होंने एक शोध का हवाला दिया, जिससे पता चलता रहै कि दुनिया भर में 133 एआई प्रणालियों में से 44 फीसदी एआई प्रणालियां लिंग-समावेशी नहीं है। ईरानी ने एआई-संचालित वित्तीय प्रणालियों में लैंगिक पूर्वाग्रह का एक उल्लेखनीय उदाहरण साझा किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता ने कहा, एक महिला जिसकी आय, कर रिटर्न और वित्तीय स्थिति उसके पति के समान है, उसे उसके पति से 10 फीसदी कम ठुण सीमा की पेशकश की गई। एक अन्य महिला की ठुण सीमा उसके पति की तुलना में 20 गुना कम निर्धारित की गई, जबकि उसकी वित्तीय स्थिति समान थी।

पूर्व मंत्री ने एआई-संचालित उपभोक्ता व्यवहार के माध्यम से महिलाओं के मनोवैज्ञानिक तौर पर प्रभावित किए जाने की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। ईरानी ने डिजिटल युग में उपभोक्ता व्यवहार, विशेषकर महिलाओं पर इसके प्रभाव का गहन अध्ययन करने का आग्रह किया। पूर्व मंत्री ने वित्तीय समावेशन में भारत की प्रगति की सराहना की तथा जन धन योजना और मुद्रा ठुण योजना जैसी पहलों का हवाला दिया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि इनसे लाखों महिलाएं सशक्त हुई हैं। ईरानी ने भारत से प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा देश है जिसने दुनिया को शून्य दिया और आईटी सेवाओं में विश्व में अग्रणी है। आइए हम ऐसा देश बनें जो दुनिया को दिखाए कि प्रौद्योगिकी में समानता कैसे हासिल की जाए। ईरानी ने बताया कि वैश्विक स्तर पर एआई पेशेवरों में केवल 22 फीसदी महिलाएं हैं, तथा नेतृत्व की भूमिकाओं में केवल 17 प्रतिशत महिलाएं हैं।

दैनिक आधुनिक राजस्थान

महिला सशक्तीकरण के लिए डिजिटल समानता को प्राथमिकता देनी चाहिए-स्मृति ईरानी

(आधुनिक राजस्थान)नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को लैंगिक समानता के लिए तकनीक की समानता पर जोर दिया। महिला सशक्तीकरण को लेकर इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स सम्मेलन में ईरानी ने एआई में शामिल प्रणालीगत पक्षपात के बारे में बात की। साथ ही इस असमानता को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों को महिला सशक्तीकरण पर ध्यान देने के लिए डिजिटल समानता को प्राथमिकता देनी चाहिए। आज एआई के इस दौर में पुरुषों का महिलाओं और महिलाओं का पुरुषों से मुकाबला नहीं है। बल्कि मानवता का मुकाबला है कि एआई हमारे साथ क्या करने वाला है एक शोध में सामने आया है कि दुनिया के 133 एआई सिस्टम में से 44 फीसदी एआई लैंगिक समानता पर जोर नहीं देते हैं। उन्होंने एआई से जुड़ी वित्तीय प्रणाली में लैंगिक असमानता का एक उदाहरण भी दिया। स्मृति ईरानी ने कहा कि एक महिला जिसकी आय, टैक्स रिटर्न और वित्तीय स्थिति अपने पति के समान है उसको पति से 10 फीसदी कम क्रेडिट लिमिट का प्रस्ताव दिया जाता है। एक दूसरी महिला को पति से 20 गुना कम क्रेडिट सीमा दी गई, जबकि उनकी वित्तीय स्थिति भी समान थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एआई संचालित उपभोक्ता व्यवहार के जरिये मनोवैज्ञानिक हेरफेर को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा खरीदे जाने वाले 72 फीसदी सामग्री उपभोक्ता टिकाऊ और जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं पर अधिक खर्च को प्रोत्साहित करने के लिए एल्गोरिदम द्वारा डिजाइन की जाती है। जबकि उन्हें ऑनलाइन निवेश संबंधी सलाह मिलने की संभावना 33 फीसदी कम होती है। उन्होंने डिजिटल युग में उपभोक्ता व्यवहार खासकर महिलाओं का इस पर प्रभाव को लेकर शोध करने की भी अपील की। पूर्व मंत्री ने भारत की वित्तीय प्रगति को सराहा। उन्होंने कहा कि जनधन योजना और मुद्रा योजना जैसी योजनाओं से लाखों महिलाएं सशक्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि बैंकर कहते हैं कि महिलाओं द्वारा संचालित व्यवसाय में एनपीए 1.8 फीसदी से 1.9 फीसदी होता है। जबकि पुरुषों के व्यवसाय में यह 2.3 फीसदी होता है। उन्होंने बैंकिंग में मौजूद असमानता पर भी बात की। स्मृति ईरानी ने कहा कि बैंक खातों के स्वामित्व में कोई लैंगिक असमानता नहीं है। लेकिन महिलाओं को अपनी बचत के सापेक्ष केवल 28 फीसदी ऋण मिलता है। जबकि पुरुषों को यह 52 फीसदी मिलता है। यह तब होता है जब हमारे पास बेहतर एनपीए रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जिसने दुनिया को शून्य दिया और आईटी सेवा में हम अग्रणी हैं। आइए हम दुनिया को दिखाएं कि कैसे तकनीक में समानता हासिल की जाती है? उन्होंने कहा कि दुनियाभर में एआई पेशेवर महिलाएं केवल 22 फीसदी हैं। इसमें केवल 17 फीसदी महिलाएं नेतृत्वकारी की भूमिका निभाती हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि हम यह चाहते हैं कि डिजिटल दुनिया को समान बनाया जाए। महिलाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में योगदान को समावेशी तकनीकी का समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रयास किए जाएं। साथ ही अगले विश्व महिला दिवस से पहले इसके परिणाम सामने आने चाहिए। इस आठ मार्च से अगले मार्च तक हमें तकनीकी समानता के लिए काम करना चाहिए। अगर हम ऐसा कर लेते हैं तो हम समानता, लैंगिक न्याय और बदलाव के नायक होंगे। महिलाओं के सम्मान और गरिमा पर जोर देते हुए, विकास फाउंडेशन ट्रस्ट की अध्यक्ष, श्रीमती मृदुला प्रधान ने एक संस्कृत श्लोक का उद्धरण दिया- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता उन्होंने वास्तविक समानता की वकालत की, और जोर देकर कहा कि बेटी बेटा एक समान का नारा जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। श्रीमती प्रधान ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के महत्व पर भी जोर दिया, विशेष रूप से प्रजनन अधिकारों पर स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष, डॉ मल्लिका नड्डा ने दोहराया कि महिलाओं के अधिकार अनिवार्य हैं, और उनकी गरिमा की रक्षा हर हाल में की जानी चाहिए। उन्होंने शारीरिक रूप से विकलांग महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली अतिरिक्त चुनौतियों पर जोर दिया और उनके समावेश और समर्थन को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

ET THE ECONOMIC TIMES

INDIA

Equity in technology needed for true gender parity: Smriti Irani

"While there is no gender gap in bank account ownership, women receive only 27% of the credit equivalent to their deposits, compared to 52% for men. So we have better NPA records, but we have moderately okay credit records," Irani said.

Irani urged India to lead the way in ensuring equity in technology.

"This is a nation that gave the world zero and is a global leader in IT services. Let us also be the country that shows the world how to achieve equity in technology," she said.

Irani pointed out that only 22% of AI professionals globally are women, with just 17% in leadership roles.

"We need to ensure that the digital world is gendered for the purpose of equity. Women's contributions to health and education, which account for 80-90% of their earnings, must be recognized and supported by inclusive technology," she said.

https://m.economictimes.com/news/india/equity-in-technology-needed-for-true-gender-parity-smriti-irani/amp_articleshow/118729077.cms

DECCAN HERALD

Home › India ›

Equity in technology needed for true gender parity: Smriti Irani

She pointed to a research, which revealed that out of 133 AI systems around the world, 44 per cent of AI systems are not gender-inclusive.

PTI

Last Updated 05 March 2025, 15:23 IST

Follow Us

BJP leader and founder of the Alliance for Global Good - Gender Equity and Equality Smriti Irani addresses a gathering during Indo-American Chamber of Commerce (IACC) conference on 'Women Empowerment', in New Delhi Credit: PTI Photo

New Delhi: Former Union minister Smriti Irani on Wednesday underscored the urgent need for ensuring equity in technology for true gender parity.

ADVERTISEMENT

https://www.deccanherald.com/amp/story/india/equity-in-technology-needed-for-true-gender-parity-smriti-irani-3432970

Home > National > Equity in technology needed for true.....

Back

Equity in technology needed for true gender parity: Smriti Irani

NEW DELHI: Former Union minister Smriti Irani on Wednesday underscored the urgent need for ensuring equity in technology for true gender parity.

Speaking at the Indo-American Chamber of Commerce Conference on Women Empowerment, Irani highlighted the systemic biases embedded in AI systems and called for a collective effort to address these disparities.

https://www.ptinews.com/story/national/equity-in-technology-needed-for-true-gender-parity-smriti-irani/2348214

ANI
South Asia's Leading Multimedia News Agency

Representative image (Photo Credit: X/@iaccindia)

'Beti-Beta ek saman, still a far cry': Mridula Pradhan, chairperson of Vikas Foundation Trust on women empowerment

ANI | Updated: Mar 05, 2025 22:15 IST

New Delhi [India], March 5 (ANI): The Indo-American Chamber of Commerce (IACC) successfully hosted a thought-provoking conference on Women Empowerment in Delhi under the theme 'Celebrating Womanhood: Empower, Educate, Elevate,' where Mridula Pradhan, Chairperson of Vikas Foundation Trust advocated for true gender equality while urging that the slogan 'Beti-Beta Ek Saman' must be implemented in all sphere of life.

The event brought together distinguished leaders and advocates, emphasising the necessity of empowering women to drive societal progress.

https://www.aninews.in/news/national/general-news/beti-beta-ek-saman-still-a-far-cry-mridula-pradhan-chairperson-of-vikas-foundation-trust-on-women-empowerment20250305221508/

The Statesman

Modi govt has taken significant steps towards financial inclusion of women: Smriti Irani

Statesman News Service

13 hours ago

Union Minister Smriti Irani (File Photo:ANI)

Ads by Google
Stop seeing this ad
Why this ad? ⓘ
Subscribe to Notifications

BJP leader and former Union minister Smriti Irani said on Wednesday that the Modi government has taken significant steps towards financial inclusion of women by providing them bank accounts and loans, which women have successfully leveraged, leading to low non-performing assets.

Smriti Irani was speaking at a conference on women empowerment here. The conference was organised three days ahead of International Women's Day which is on March 8.

Addressing a gathering, she highlighted the strength of Indian women in overcoming challenges, particularly during the pandemic.

https://www.thestatesman.com/india/modi-govt-has-taken-significant-steps-towards-financial-inclusion-of-women-smriti-irani-1503404923.html/amp

Smriti Irani Advocates for Gender Equity in AI Technology

Former Union Minister Smriti Irani stresses the need for gender equity in technology to achieve true parity. Speaking at a conference, she highlighted biases in AI systems and urged stakeholders to focus on digital equity. Irani praised India's progress but noted ongoing disparities in financial inclusion.

Technology

Devdiscourse News Desk| New Delhi | India

Updated: 05-03-2025 13:02 IST | Created: 05-03-2025 13:02 IST

Former Union Minister Smriti Irani called for urgent action to ensure gender equity in technology during her address at the Indo-American Chamber of Commerce Conference on Women Empowerment.

Irani highlighted systemic biases within AI systems, citing research indicating that 44% of AI systems are not gender-inclusive. She provided examples showing how women face discrimination in AI-driven financial systems, and urged stakeholders to prioritize digital equity as key to women's empowerment.

https://www.devdiscourse.com/article/technology/3286226-smriti-irani-advocates-for-gender-equity-in-ai-technology?amp

NEWS DRUM

National

Equity in technology needed for true gender parity: Smriti Irani

NewsDrum Desk
05 Mar 2025 13:05 IST
Updated On 05 Mar 2025 14:18 IST

Follow Us

BJP leader and founder of the Alliance for Global Good - Gender Equity and Equality Smriti Irani presents an award during Indo-American Chamber of Commerce (IACC) conference on 'Women Empowerment', in New Delhi,

New Delhi: Former Union minister Smriti Irani on Wednesday underscored the urgent need for ensuring equity in technology for true gender parity.

https://www.newsdrum.in/national/equity-in-technology-needed-for-true-gender-parity-smriti-irani-8795189

The Interview World

EDITORS' PICKS 7 min read •

Special Olympics Bharat: Uplifting Equality and Empowerment

TIW • March 8, 2025 •

Imagine a world where gender is not a barrier but a bridge. A world where opportunities are shaped by empowerment, talent, ambition, and resilience—not confined by outdated stereotypes.

International Women's Day 2025 is more than a celebration; it is a rallying cry. The theme, Accelerate Action, underscores an urgent truth: progress cannot be passive.

Bias, discrimination, and systemic inequalities still persist, holding millions back. While strides have been made, true equality demands relentless urgency. It calls for workplaces that enforce pay parity, education systems that propel girls into STEM, and societies that dismantle entrenched norms. Inclusion must move beyond rhetoric—it must be embedded in policies, leadership, and everyday actions.

A diverse world is a stronger world. By embracing differences and fostering inclusivity, we unlock richer economies, drive innovation, and build a more just society. Each of us has the power to challenge bias, mentor future leaders, and demand accountability.

https://theinterview.world/special-olympics-bharat-uplifting-equality-and-empowerment/

The Interview World

EDUCATION 6 min read •

Amity University: Envisaging a Safer and Inclusive World

TIW • March 6, 2025 •

Amity University, founded in 2005, stands as a leading private research institution in India. Accredited with an 'A+' grade by NAAC and recognized by the UGC, it exemplifies academic excellence. Headquartered in Noida, Amity extends its reach across India and globally, with campuses in London, Dubai, New York, Singapore, and beyond. The university offers a diverse spectrum of programs spanning engineering, management, medical sciences, law, and the arts. By integrating rigorous academics with hands-on learning and cutting-edge research, Amity cultivates future leaders. Its global presence, innovation-driven approach, and initiatives like the Amity Innovation Incubator reinforce its commitment to shaping the next generation of changemakers. Consistently setting new benchmarks in higher education, Amity ensures quality learning and unparalleled global exposure.

At the "Celebrating Womanhood: Empower, Educate, Elevate" conference on women empowerment, hosted by the Indo-American Chamber of Commerce (IACC), Prof. (Dr.) Gurinder Singh, Group Vice Chancellor of Amity University, shared powerful insights in an exclusive conversation with The Interview World. He outlined the university's initiatives to enhance safety and empower communities across its campuses. He also emphasized the transformative role of

https://theinterview.world/amity-university-envisaging-a-safer-and-inclusive-world/

The Interview World

EDITORS' PICKS 8 min read •

Unstoppable Battle: Rights of Deaf Women Remain Inalienable

TIW • March 8, 2025 •

Some voices struggle to break through. For centuries, women have fought for equality, yet the path remains riddled with obstacles. Now, imagine confronting those same barriers without the ability to hear or be heard. Deaf women navigate a world that not only marginalizes them but often refuses to acknowledge their existence. Beyond the universal challenges of gender inequality, they endure an added layer of isolation—communication barriers, societal neglect, and systemic exclusion.

https://theinterview.world/unstoppable-battle-rights-of-deaf-women-remain-inalienable/

The Bengaluru Live
IT'S YOUR VOICE

FORUMS KANNADA CONTACT US ADVERTISE WITH US

Home › CITY UPDATES › 'Beti-Beta ek saman, still a far cry': Mridula Pradhan, chairperson of Vikas...

CITY UPDATES STATE

'Beti-Beta ek saman, still a far cry': Mridula Pradhan, chairperson of Vikas Foundation Trust on women empowerment

By **Atul Chaturvedi** - March 5, 2025 10:28 PM 8 0

The Indo-American Chamber of Commerce (IACC) successfully hosted a thought-provoking conference on Women Empowerment in Delhi under the theme 'Celebrating Womanhood: Empower, Educate, Elevate,' where Mridula Pradhan, Chairperson of Vikas Foundation Trust advocated for true gender equality while urging that the slogan 'Beti-Beta Ek Saman' must be implemented in all sphere of life. The event brought together distinguished leaders and advocates, emphasising the necessity of empowering women to drive societal progress.

https://thebengalurulive.com/beti-beta-ek-saman-still-a-far-cry-mridula-pradhan-chairperson-of-vikas-foundation-trust-on-women-empowerment/

National

IACC's Conference Celebrated Women's Empowerment, Honoring Leaders For Contributions In Education, Advocacy, Business & Social Work

Genia Chadha Mar 5, 2025 - 22:02 0

Indo-American Chamber of Commerce

The Indo-American Chamber of Commerce (IACC) organized a conference on the theme "Celebrating Women's Day: Empowerment, Education, Upgradation" in New Delhi. The event brought together eminent leaders and advocates from various fields who emphasized the need to empower women to promote progress in society.

Emphasizing on the respect and dignity of women, Mrs. Mridula Pradhan, Chairperson, Vikas Foundation Trust, quoted a Sanskrit shloka: "Yatra naryastu pujyante, ramante tatra devataa". She advocated true equality, and asserted that the slogan 'beti beta ek saman' should be applied in all spheres of life. Mrs. Pradhan also emphasized the importance of protecting women's rights, especially reproductive rights.

https://www.newsflash18.com/iaccs-conference-celebrated-womens-empowerment-honoring-leaders-for-contributions-in-education-advocacy-business-social-work

newKerala.com®
.News .Entertainment .Wellness

'Beti-Beta ek saman, still a far cry': Mridula Pradhan, chairperson of Vikas Foundation Trust on women empowerment

ANI March 6, 2025 98 views

The Indo-American Chamber of Commerce hosted a powerful conference on women's empowerment in New Delhi. Mridula Pradhan of Vikas Foundation Trust passionately advocated for true gender equality and respect for women. Prominent leaders like Smriti Irani and Mallika Nadda highlighted the challenges and potential of women in society. The event concluded with an inspiring awards ceremony celebrating exceptional women leaders across various sectors.

> *"Where women are respected, divine blessings follow." - Mridula Pradhan*

New Delhi, March 5: The Indo-American Chamber of Commerce (IACC) successfully hosted a thought-provoking conference on Women Empowerment in Delhi under the theme 'Celebrating Womanhood: Empower, Educate, Elevate,' where Mridula Pradhan, Chairperson of Vikas Foundation Trust advocated for true gender equality while urging that the slogan 'Beti-Beta Ek Saman' must be implemented in all sphere of life.

https://www.newkerala.com/news/o/beti-beta-ek-saman-still-far-cry-mridula-pradhan-chairperson-531

Metro Vaartha

National

Equity in technology needed for true gender parity: Smriti Irani

Former Union minister Smriti Irani on Wednesday underscored the urgent need for ensuring equity in technology for true gender parity.

Smriti Irani on gender parity

Published on: 05 Mar 2025, 1:34 pm

New Delhi | Former Union minister Smriti Irani on Wednesday underscored the urgent need for ensuring equity in technology for true gender parity.

https://english.metrovaartha.com/news/national/equity-in-technology-needed-for-true-gender-parity-smriti-irani

ENGLISH Jagran

WEATHER HOROSCOPE STATES

SPECIALS HOME LATEST NEWS INDIA ENTERTAINMENT LIFESTYLE VIRAL TECH SPIRITUAL CRICKET EDUCATION

BJP's Smriti Irani At IACC's 'Women Empowerment' Conference

Former Union Minister Smriti Irani addressed the gathering, highlighting the strength of Indian women in overcoming challenges, particularly during the pandemic. However, she pointed out that the digital world remains biased against women, and addressing this challenge is crucial.

By JE News Desk Published: Wed, 05 Mar 2025 04:19 PM (IST) Source:JND

Facebook Twitter Whatsapp Google News

IACC Conference On Women Empowerment

The Indo-American Chamber of Commerce (IACC) successfully hosted a thought-provoking conference on Women Empowerment in New Delhi under the theme "Celebrating Womanhood: Empower, Educate, Elevate." The event brought together distinguished leaders and advocates, emphasizing the necessity of empowering women to drive societal progress.

https://english.jagran.com/india/addresing-bias-against-women-in-digital-world-crucial-bjps-smriti-irani-at-iaccs-women-empowerment-conference-10222087

दिप्रिंट

देश

वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता जरूरी: स्मृति ईरानी

भाषा
5 March, 2025

इसरो वैज्ञानिक एन. वलारमथी | ट्विटर/@DrPVVenkitakri1

(तस्वीरों के साथ)

नयी दिल्ली, पांच मार्च (भाषा) पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने की तत्काल जरूरत पर बुधवार को बल दिया।

महिला सशक्तिकरण पर 'इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स कॉन्फ्रेंस' को संबोधित करते हुए ईरानी ने एआई (कृत्रिम मेधा) प्रणालियों में अंतर्निहित प्रणालीगत पूर्वाग्रहों पर प्रकाश डाला और इन असमानताओं को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

https://hindi.theprint.in/india/equality-in-technology-is-essential-for-real-gender-equality-smriti-irani/793128/?amp

IBC24

सवाल आपका है

लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता आवश्यक: स्मृति ईरानी

लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता आवश्यक: स्मृति ईरानी

Edited By :Bhasha
Modified Date: March 5, 2025 / 01:34 PM IST,Published Date: March 5, 2025 1:34 pm IST

नयी दिल्ली, पांच मार्च (भाषा) पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता पर बुधवार को जोर दिया।

महिला सशक्तिकरण पर 'इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स' में एक सम्मेलन में अपने संबोधन में ईरानी ने एआई प्रणालियों में अंतर्निहित प्रणालीगत पूर्वाग्रहों पर प्रकाश डाला और इन असमानताओं को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे महिला सशक्तिकरण की आधारशिला के रूप में डिजिटल समानता को प्राथमिकता दें।

https://www.ibc24.in/country/equality-in-technology-essential-for-gender-equality-smriti-irani-2974157.html

अमर उजाला

होम > देश | शहर और राज्य | शब्द खोज | मनोरंजन | क्रिकेट | ज्योतिष | दुनिया | नौकरी | शिक्षा

Smriti Irani: स्मृति ईरानी ने एआई में लैंगिक पक्षपात दूर करने पर दिया जोर, कहा- आज तकनीकी समानता की जरूरत

न्यूज डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली Published by: वसु जैन Updated Wed, 05 Mar 2025 02:15 PM IST

विज्ञापन

सार

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला सशक्तीकरण को लेकर इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स सम्मेलन में ईरानी ने एआई में शामिल प्रणालीगत पक्षपात के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण पर ध्यान देने के लिए डिजिटल समानता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

देश फटाफट: पढ़ें सभी खबरें 60s में >

... पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी। - फोटो : PTI

Follow Us

https://www.amarujala.com/amp/india-news/smriti-irani-laid-emphasis-on-removing-gender-bias-in-ai-said-today-there-is-a-need-for-technical-equality-2025-03-05

नवभारत 1

छत्तीसगढ़ । ओडिशा

लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता आवश्यक: स्मृति ईरानी

March 5, 2025

Last Updated: March 5, 2025

Facebook

X

नयी दिल्ली: पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता पर बुधवार को जोर दिया। महिला सशक्तीकरण पर 'इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स' में एक सम्मेलन में अपने संबोधन में ईरानी ने एआई प्रणालियों में अंतर्निहित प्रणालीगत पूर्वाग्रहों पर प्रकाश डाला और इन असमानताओं को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे महिला सशक्तीकरण की आधारशिला के रूप में डिजिटल समानता को प्राथमिकता दें। ईरानी ने कहा, " एआई के युग में यह पुरुष का महिला से या महिला का पुरुष से मुकाबला नहीं है। यह मुकाबला है मानवता का इस बात से कि एआई हमारे साथ क्या करेगा।" उन्होंने एक शोध का हवाला दिया जिसमें इस बात का खुलासा किया गया है कि दुनिया भर में 133 एआई प्रणालियों में से 44 प्रतिशत एआई प्रणालियां लैंगिकता -समावेशी नहीं हैं।

ईरानी ने एआई-संचालित वित्तीय प्रणालियों में लैंगिक पूर्वाग्रह का एक उदाहरण साझा किया। उन्होंने कहा, "एक महिला जिसकी आय, कर रिटर्न और वित्तीय स्थिति उसके पति के ही समान थी उसे उसके पति की तुलना में 10 प्रतिशत कम क्रेडिट सीमा की पेशकश की गई।

https://navabharat.news/gender-equality-requires-equality-in-technology-smriti-irani/

नवोदय टाइम्स

HOME > NATIONAL > वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता जरूरी: स्मृ...

NATIONAL

वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता जरूरी: स्मृति ईरानी

Edited By National Desk, Updated: 05 Mar, 2025 04:44 PM

नई दिल्ली/ टीम डिजिटल। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने की तत्काल जरूरत पर बुधवार को बल दिया। महिला सशक्तिकरण पर 'इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स कॉन्फ्रेंस' को संबोधित करते हुए ईरानी ने एआई (कृत्रिम मेधा) प्रणालियों में अंतर्निहित प्रणालीगत पूर्वाग्रहों पर प्रकाश डाला और इन असमानताओं को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

https://www.navodayatimes.in/news/national/equality-in-technology-necessary-for-real-gender-equality-smriti-irani/258562/

गुरूवार, मार्च 06, 2025 • ताजा खबरें

लेटेस्टली

QUICKLY | # SOCIALLY | देश | विदेश | टेक | ऑटो | खेल | मनोरंजन | लाइफस्टाइल | वायरल | फोटो गैलरी | बिजने

होम / एजेंसी न्यूज

देश की खबरें | वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता जरूरी: स्मृति ईरानी

Get Latest हिन्दी समाचार, Breaking News on India at LatestLY हिन्दी. पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने की तत्काल जरूरत पर बुधवार को बल दिया।

एजेंसी न्यूज | Bhasha | Mar 05, 2025 02:34 PM IST

A- A+

नयी दिल्ली, पांच मार्च पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने की तत्काल जरूरत पर बुधवार को बल दिया।

महिला सशक्तिकरण पर 'इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स कॉन्फ्रेंस' को संबोधित करते हुए ईरानी ने एआई (कृत्रिम मेधा) प्रणालियों में अंतर्निहित प्रणालीगत पूर्वाग्रहों पर प्रकाश डाला और इन असमानताओं को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे महिला सशक्तिकरण की आधारशिला के रूप में डिजिटल समानता को प्राथमिकता दें।

https://hindi.latestly.com/agency-news/equality-in-technology-is-necessary-for-real-gender-equality-smriti-irani-r-2523983.html

THANK YOU